

कक्षा - पाँचवीं, विषय - हिंदी  
अधिन्यास – कविता- नदी यहाँ पर

नाम ----- तिथि ----- विभाग ----- अनुक्रमांक -----

प्रश्न 1. निम्नलिखित काव्यांश को ढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

नदी यहाँ ढ़र मुड़ती है  
फिर चलती ही जाती है  
चलते-चलते सागर को  
आखिर में वह ढ़ाती है

मिलती लंबी राह उसे  
देती है सबको ढ़ानी  
सींच-सींचकर खेतों को  
फसल बनाती है धानी

क) उढ़र्युक्त काव्यांश के कवि का नाम लिखिए ।

-----  
-----

ख) नदी के ढ़ानी से चारों तरफ क्या बदलाव आता है ?

-----  
-----

ग) नदी कहाँ से आरंभ होती है और अढ़ना सफ़र तय करती हुई कहाँ जाती है ?

-----  
-----

घ) नदी के किन गुणों को अढ़नाने से हमारे व्यवहार में ढ़रिवर्तन आएगा ? अढ़ने विचार लिखिए ।

-----  
-----  
-----

प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए ।

1. नदी बहुत विशाल है, ढ़रन्तु जल स्वच्छ नहीं है ।

-----

2. रास्ते में ढेड़ों की छाया मन को शीतलता प्रदान करती है।

-----

3. बुढ़िया बीमारी के कारण चल नहीं पा रही थी।

-----

4. हमारा विद्यालय में तरह - तरह की गतिविधि सिखाई जाती है।

-----

प्रश्न 3. निम्नलिखित अनुच्छेद में से क्रिया छाँटें और किन्हीं दो क्रियाओं का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाओ। आज सुमन बहुत खुश थी। क्रिसमस का वह कब से इंतज़ार कर रही थी। उसे कई बार दादा जी पर बहुत गुस्सा आता था कि वह उसे और उसकी बहनों को क्रिसमस पर मनसंद की चीज़े नहीं दिलाते थे। क्रिसमस नजदीक आ गया था। बाहर बर्फ गिर रही थी। पॉल रिवार की चार लकियाँ कमरे में बैठी बातें कर रही थी, त्योहार कैसे मनाए ? चारों में सबसे बड़ी थी सोलह साल की रीना, दूसरी मीना थी। तीसरी स्नेह और सबसे छोटी सुमन थी।

1)-----

2)-----

प्रश्न 4. आजकल नदियों का पानी गंदा और कम क्यों होता जा रहा है ? इसे सुरक्षित रखने के लिए आप क्या प्रयास करेंगे ?

संकेत बिंदु :- कूड़ा - कचरा, साफ़ -सफ़ाई, पानी का सही प्रयोग, गंदी नालियाँ, जल निकासी, मत्स्य पालन , फैक्ट्रियों का कूड़ा-कचरा।

( उत्तरपुस्तिका में कीजिए )